चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 29 जुलाई 2026, अंक –323.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

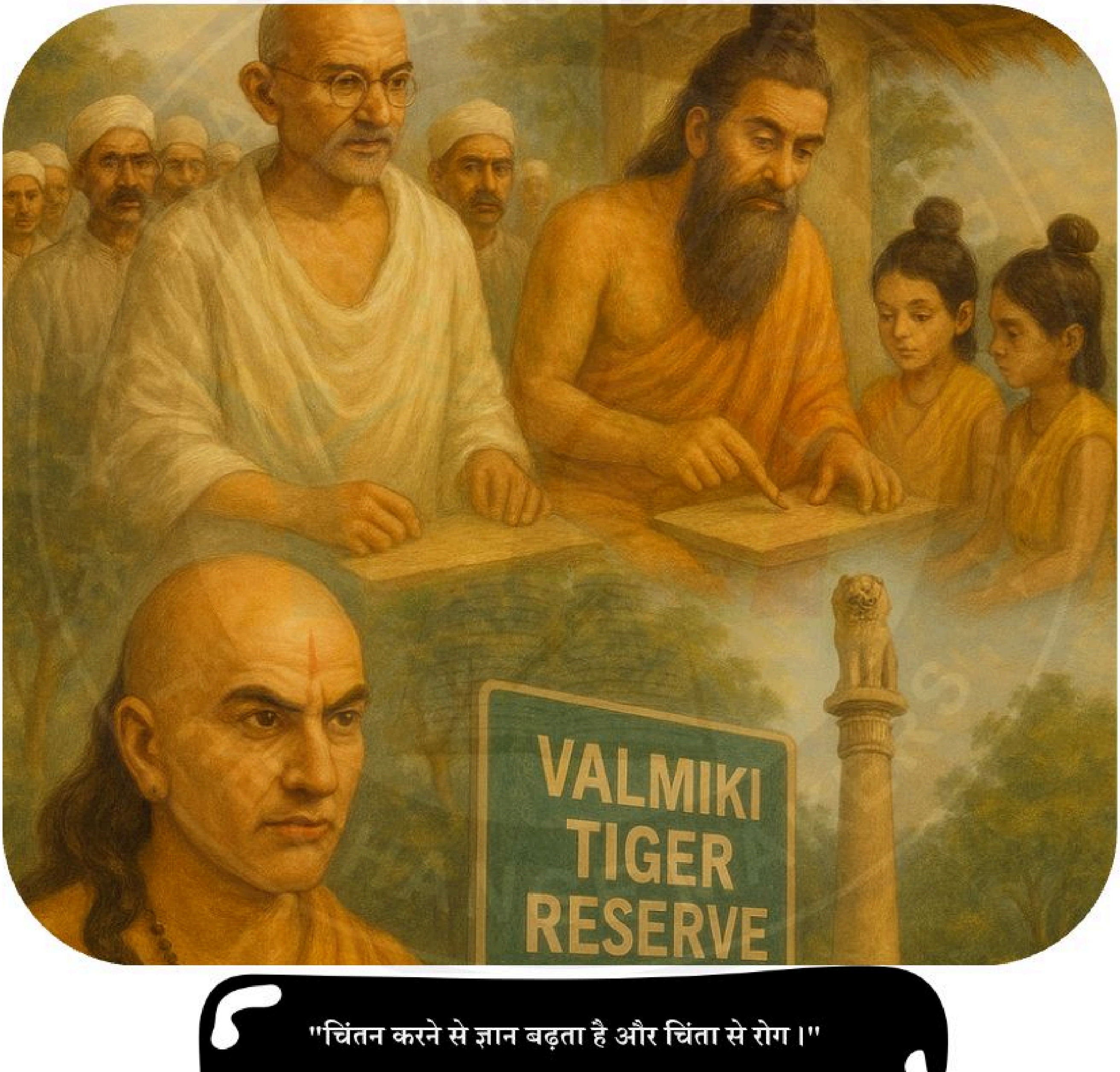

"चिंतन करने से ज्ञान बढ़ता है और चिंता से रोग।"

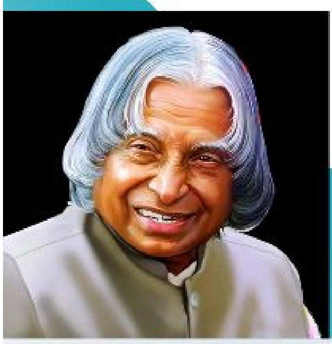

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Wednesday Prayer

तू ही राम है, तू रहीम है,
तू करीम कृष्ण खुदा हुआ।
तू ही वाहे गुरु तू यीशू मसीह
हर नाम में तू समा रहा।
तू ही राम है...।

तेरी जात पाक कुरान में,
तेरा दरस वेद पुराण में।
गुरु ग्रन्थजी के बखान में,
तू प्रकाश अपना दिखा रहा।
तू ही राम है...।

अरदास है कहीं कीरतन
कहीं रामधुन कहीं आवहन।
विधि भेद का यह है सब रचन,
तेरा भक्त तुझको बुला रहा।
तू ही राम है...।

तेरा गुण नहीं हम गा सकें,
तुझे कैसे मन में ध्या सके।
है दुआ यहीं तुझे पा सकें,
तेरे दर पे सर ये झुका हुआ।
तू ही राम है...।

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणा: शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

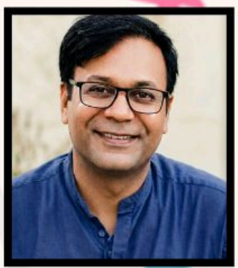

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. पोलैंड की राजधानी क्या है?
उत्तर: वारसॉ
प्रश्न 2. भारत की पहली महिला आईएएस अधिकारी कौन थीं?
उत्तर: अन्ना राजम मल्होत्रा
प्रश्न 3. 'भवई' किस राज्य की प्रसिद्ध लोकनाट्य शैली है?
उत्तर: राजस्थान
प्रश्न 4. 17 का वर्ग (Square) क्या है?
उत्तर: 289
प्रश्न 5. बिहार का प्रसिद्ध 'मखाना अनुसंधान केंद्र' किस जिले में स्थित है?
उत्तर: दरभंगा
प्रश्न 6. नामदफा राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: अरुणाचल प्रदेश
प्रश्न 7. सेल्फ-प्रोपेल्ड कार (स्वचालित कार) के प्रारंभिक विकास का श्रेय किसे दिया जाता है?
उत्तर: कार्ल बेंज
प्रश्न 8. भारत के संविधान में ग्राम पंचायतों के संगठन का निर्देश किस अनुच्छेद में दिया गया है?
उत्तर: अनुच्छेद 40
प्रश्न 9. 'जो सब कुछ जानता हो' — उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: सर्वज्ञ
प्रश्न 10. पृथ्वी के चारों ओर गैसों की परत को क्या कहते हैं?
उत्तर: वायुमंडल

संकलन:-

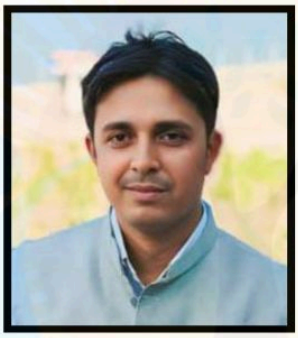

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Hair – (हेयर) – बाल
Chin – (चिन) – ठुड्डी
Cheek – (चीक) – गाल
Lip – (लिप) – होंठ
Tongue – (टंग) – जीभ
Eyebrow – (आइब्राउ) – भौंह
Eyelash – (आइलेश) – बरौनी /

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: Simple Future Tense – "क्या वह ... करेगा/करेगी?" (Will he/she ...?)
क्या वह कल पढ़ेगा? – Will he study tomorrow?
क्या वह तुम्हारी मदद करेगा? – Will he help you?
क्या वह समय पर आएगा? – Will he come on time?
क्या वह अपना काम पूरा करेगा? – Will he finish his work?
क्या वह अंग्रेज़ी सीखेगा? – Will he learn English?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 29 जुलाई को कौन सा महत्वपूर्ण दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस (International Tiger Day)
व्याख्या: प्रतिवर्ष 29 जुलाई को "अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस" (International Tiger Day) मनाया जाता है जिसका उद्देश्य बाघ संरक्षण, आवास सुरक्षा, शिकार-विरोधी प्रयासों और विश्वव्यापी पहलों को बढ़ावा देना है। (National Today) यह दिवस 2010 में रूस के सेंट पीटर्सबर्ग टाइगर शिखर सम्मेलन में स्थापित किया गया था। (Testbook) 2022 के अनुमान के अनुसार विश्व में लगभग 4,500 जंगली बाघ बचे हैं जो 2010 के 3,200 के ऐतिहासिक न्यूनतम से अधिक है। (National Day Calendar) भारत विश्व में 80% से अधिक बाघों का घर है। (Olympics) भारत में "प्रोजेक्ट टाइगर" 1973 में प्रारंभ हुआ और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) इसका संचालन करता है। बाघ भारत का राष्ट्रीय पशु है।
संदर्भ: vajiramandravi.com International Tiger Day 2026;

प्र.2. राष्ट्रमंडल खेल 2026 ग्लासगो में 27 जुलाई (दिवस 4) को भारत ने कौन से पदक जीते — और पैरा एथलेटिक्स में किस भारतीय खिलाड़ी ने स्वर्ण जीता? (समसामयिक घटना)
उत्तर: शर्मिला धनकड़ (पैरा एथलेटिक्स — स्वर्ण); सर्वेश कुशारे (उच्च कूद — रजत); ज्ञानेश्वरी यादव, V अजय बाबू (भारोत्तोलन — रजत); बिंदयारानी देवी (भारोत्तोलन — कांस्य)
व्याख्या: 27 जुलाई 2026 को राष्ट्रमंडल खेल 2026 के दिवस 4 में पैरा एथलेटिक्स में शर्मिला धनकड़ ने महिला शॉट पुट F57 में स्वर्ण पदक जीता जबकि शिल्पा K श्याला ने कांस्य पदक जीता। एथलेटिक्स में सर्वेश अनिल कुशारे ने पुरुष उच्च कूद में रजत पदक जीता। भारोत्तोलन में V अजय बाबू ने पुरुष 79 किग्रा में और ज्ञानेश्वरी यादव ने महिला 53 किग्रा में रजत पदक जीते। बिंदयारानी देवी ने महिला 58 किग्रा में कांस्य पदक जीता। (Wikipedia) 28 जुलाई को गुलवीर सिंह पुरुष 10,000 मीटर दौड़ और पाँच भारतीय मुक्केबाज़ क्वार्टरफाइनल में थे।
संदर्भ: espn.com India CWG Day 4 Results, 27 July 2026;

प्र.3. "अभिज्ञानशाकुन्तलम्" किसकी काव्य-नाट्य रचना है और इस नाटक की कथा किस पौराणिक स्रोत पर आधारित है? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: कालिदास; महाभारत और पद्मपुराण (शकुंतला-दुष्यंत की प्रेम कथा)
व्याख्या: "अभिज्ञानशाकुन्तलम्" (Abhijnanashakuntalam) संस्कृत साहित्य के महाकवि कालिदास (4th-5th शताब्दी ई.) की सर्वश्रेष्ठ नाट्यकृति है। इसमें राजा दुष्यंत और ऋषि विश्वामित्र की पुत्री शकुंतला की प्रेम कथा है — जो महाभारत के आदि पर्व पर आधारित है। दुष्यंत की अँगूठी शाप में खो जाने से वह शकुंतला को भूल जाता है, किंतु बाद में पुनर्मिलन होता है। 1789 में सर विलियम जोन्स ने इसका अंग्रेजी अनुवाद "Sacontala" नाम से प्रकाशित किया जिससे यह यूरोप में अत्यंत प्रसिद्ध हुई। जर्मन कवि गेटे ने इसकी भूरि-भूरि प्रशंसा की। कालिदास की अन्य प्रमुख कृतियाँ: "मेघदूतम्", "रघुवंशम्", "कुमारसंभवम्"।
संदर्भ: NCERT History Class 12, Theme 2 Kings Farmers and Towns, p. 44;

प्र.4. "बाघ परियोजना" (Project Tiger, 1973) के अंतर्गत भारत में कितने बाघ अभयारण्य हैं — और "सर्वाधिक बाघ" रखने वाले पाँच राज्य कौन से हैं? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: 55 बाघ अभयारण्य; मध्य प्रदेश, कर्नाटक, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, तमिलनाडु
व्याख्या: भारत में "प्रोजेक्ट टाइगर" 1 अप्रैल 1973 को इंदिरा गाँधी सरकार द्वारा प्रारंभ हुआ। प्रथम बाघ अभयारण्य "जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क" (उत्तराखंड) था। वर्तमान में भारत में 55 बाघ अभयारण्य (Tiger Reserves) हैं जो 9 राज्यों में फैले हैं। नवीनतम बाघ गणना (2022) के अनुसार भारत में 3,682 बाघ हैं। सर्वाधिक बाघ वाले राज्य: (1) मध्य प्रदेश — "बाघों का घर" कहलाता है; (2) कर्नाटक; (3) उत्तराखंड; (4) महाराष्ट्र; (5) तमिलनाडु। "NTCA" (National Tiger Conservation Authority) प्रोजेक्ट टाइगर का संचालन करती है। बिहार में "वाल्मीकि टाइगर रिज़र्व" (पश्चिम चंपारण) बाघों का प्रमुख आवास है।
संदर्भ: NCERT Science Class 8, Ch 7 Conservation of Plants and Animals, p. 90;

प्र.5. "दिल्ली सल्तनत" में "इक्ता प्रणाली" (Iqta System) क्या थी और इसे किस सुल्तान ने सुव्यवस्थित किया? (इतिहास)
उत्तर: राजस्व संग्रह हेतु भूमि आवंटन प्रणाली; इल्तुतमिश
व्याख्या: "इक्ता प्रणाली" दिल्ली सल्तनत की एक महत्वपूर्ण भूराजस्व प्रशासनिक व्यवस्था थी। इसमें सुल्तान द्वारा अधिकारियों (मुक्तियों/इक्तादारों) को नकद वेतन के स्थान पर एक निश्चित क्षेत्र की भूमि का राजस्व संग्रह करने का अधिकार दिया जाता था। "इल्तुतमिश" (1211-1236) ने इसे सुव्यवस्थित किया। इक्ता वंशानुगत नहीं थी — सुल्तान इसे बदल या रद्द कर सकता था। बाद में "अलाउद्दीन खिलजी" ने इक्तेदारों की शक्ति को नियंत्रित करने के लिए भूराजस्व सुधार किए। यह प्रणाली मध्यकालीन भारत में प्रशासनिक विकेंद्रीकरण का महत्वपूर्ण उदाहरण है।
संदर्भ: NCERT History Class 7, Ch 3 The Delhi Sultans, p. 28–34.

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. "भारत के जलवायु क्षेत्र" (Climatic Regions) के अनुसार भारत में उष्णकटिबंधीय मानसून जलवायु के अलावा कौन से अन्य जलवायु प्रकार पाए जाते हैं? (भूगोल)
उत्तर: उष्ण मरुस्थलीय (राजस्थान), उपोष्ण कटिबंधीय (उत्तर भारत), पर्वतीय (हिमालय), उष्णार्द्र (केरल-असम)
व्याख्या: भारत की विशाल भौगोलिक विविधता के कारण यहाँ कई जलवायु प्रकार पाए जाते हैं: (1) उष्णकटिबंधीय मानसून जलवायु: अधिकांश भारत — स्पष्ट ग्रीष्म, वर्षा और शीत ऋतुएँ; (2) उष्ण मरुस्थलीय जलवायु: राजस्थान का थार मरुस्थल — अत्यधिक गर्मी, न्यूनतम वर्षा (<25 सेमी); (3) उपोष्ण कटिबंधीय जलवायु: उत्तर के मैदान — तीव्र ग्रीष्म और शीत, शीतकालीन पश्चिमी विक्षोभ; (4) उष्णार्द्र जलवायु: केरल, असम और पूर्वोत्तर — वर्षभर अधिक वर्षा; (5) पर्वतीय/अल्पाइन जलवायु: हिमालयी क्षेत्र — अत्यधिक ठंड, हिमपात। "चेरापूँजी" (मेघालय) भारत में सर्वाधिक वर्षा और "जैसलमेर" न्यूनतम वर्षा के लिए जाने जाते हैं।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9, Ch 4 Climate, p. 33–42;

प्र.7. "भारत के उपराष्ट्रपति" (Vice President) के संबंध में — उनकी निर्वाचन प्रक्रिया, कार्यकाल और किस परिस्थिति में वे राष्ट्रपति का कार्यभार संभालते हैं? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: संसद के दोनों सदनों के संयुक्त निर्वाचन मंडल से; 5 वर्ष; राष्ट्रपति की मृत्यु/अनुपस्थिति में
व्याख्या: भारतीय संविधान के अनुच्छेद 63-71 के अंतर्गत उपराष्ट्रपति से संबंधित प्रावधान हैं। निर्वाचन: संसद के दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) के सदस्यों से मिलकर बने संयुक्त निर्वाचन मंडल द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व के एकल संक्रमणीय मत पद्धति से। कार्यकाल: 5 वर्ष। राज्यसभा अध्यक्ष: उपराष्ट्रपति राज्यसभा के पदेन सभापति होते हैं। राष्ट्रपति पद ग्रहण: राष्ट्रपति की मृत्यु, त्यागपत्र, पद-रिक्तता या असमर्थता की स्थिति में कार्यवाहक राष्ट्रपति बनते हैं। उन्हें पद से हटाने के लिए राज्यसभा के बहुमत और लोकसभा की सहमति आवश्यक है।
संदर्भ: NCERT Political Science Class 11, Indian Constitution at Work, Ch 4 Executive, p. 73–76;

प्र.8. बाघ जंगल के "शीर्ष परभक्षी" (Apex Predator) क्यों कहलाता है — और खाद्य श्रृंखला में इसकी भूमिका हटने से पारिस्थितिक तंत्र पर क्या प्रभाव पड़ेगा? (विज्ञान)
उत्तर: खाद्य श्रृंखला के शीर्ष पर; शाकाहारी जीवों की संख्या असंतुलित होगी, वनस्पति नष्ट होगी
व्याख्या: बाघ जंगल के "शीर्ष परभक्षी" (Apex Predator) है — यह खाद्य श्रृंखला में सबसे उच्च स्तर पर है और इसे कोई अन्य जीव शिकार नहीं बनाता। इसकी पारिस्थितिकीय भूमिका: बाघ हिरण, गाय, सुअर जैसे शाकाहारी जीवों की संख्या नियंत्रित करता है। यदि बाघ विलुप्त हो जाए: (1) शाकाहारी जीवों की संख्या अनियंत्रित रूप से बढ़ेगी; (2) ये जीव वनस्पति को अत्यधिक खाएँगे जिससे वन नष्ट होंगे; (3) मिट्टी का कटाव बढ़ेगा, जल स्रोत सूखेंगे; (4) पूरा पारिस्थितिकी तंत्र असंतुलित हो जाएगा। यही "खाद्य जाल" का महत्व है — एक प्रजाति के नष्ट होने से पूरी प्रणाली प्रभावित होती है।
संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 15 Our Environment, p. 196–200;

प्र.9. भारत के किस शास्त्रीय नृत्य को "देवताओं का नृत्य" कहा जाता है — और "तांडव" तथा "लास्य" का क्या अर्थ है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: भरतनाट्यम (और सामान्यतः सभी शास्त्रीय नृत्य); तांडव — शिव का उग्र-शक्ति नृत्य; लास्य — पार्वती का कोमल-भावपूर्ण नृत्य
व्याख्या: भारतीय शास्त्रीय नृत्य परंपरा में "नाट्यशास्त्र" (भरत मुनि रचित, 2nd शताब्दी ईपू-2nd शताब्दी ईसवी) मूल ग्रंथ है। इसी से "नाट्य" को "देवताओं का पाँचवाँ वेद" (Fifth Veda) कहा जाता है। तांडव: भगवान शिव का उग्र, शक्तिशाली और लय-ताल प्रधान नृत्य — जो सृष्टि, पालन और संहार का प्रतीक है। नटराज प्रतिमा तांडव की मुद्रा में है। लास्य: पार्वती का कोमल, भावपूर्ण और श्रृंगारिक नृत्य। भरतनाट्यम में दोनों का समन्वय होता है। कथकली में तांडव प्रधान है, मोहिनीअट्टम में लास्य प्रधान है। यह विभाजन भारतीय नृत्य दर्शन की मूल आधारशिला है।
संदर्भ: NCERT Class 11 — An Introduction to Indian Art, Ch 6 Performing Arts, p. 71–72;

प्र.10. बिहार के "पश्चिम चंपारण" जिले में "वाल्मीकि टाइगर रिज़र्व" की क्या विशेषताएँ हैं और यहाँ कितने बाघ हैं? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: बिहार का एकमात्र बाघ अभयारण्य; नेपाल सीमा पर; लगभग 56 बाघ (2022 गणना)
व्याख्या: "वाल्मीकि टाइगर रिज़र्व" (VTR) बिहार का एकमात्र बाघ अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यान है। यह पश्चिम चंपारण जिले में भारत-नेपाल सीमा (हिमालय की तराई) पर स्थित है। 1990 में राष्ट्रीय उद्यान और 1994 में "प्रोजेक्ट टाइगर" के अंतर्गत बाघ अभयारण्य घोषित हुआ। क्षेत्रफल: 899 वर्ग किमी (कोर) + 641 वर्ग किमी (बफर)। 2022 की बाघ गणना के अनुसार यहाँ लगभग 56 बाघ हैं। बाघ के अलावा हाथी, तेंदुआ, भालू, सांभर, चीतल, गैंडा और गौर यहाँ पाए जाते हैं। गंडक नदी VTR की पश्चिमी सीमा बनाती है। महर्षि वाल्मीकि ने रामायण यहीं लिखी थी — इसीलिए इसका नाम वाल्मीकि है।
संदर्भ: NTCA Valmiki Tiger Reserve Official Records;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत "विश्व हेपेटाइटिस दिवस" (28 जुलाई) के उपलक्ष्य में — बच्चों को हेपेटाइटिस A और E से बचाने के लिए विद्यालय में कौन से स्वच्छता अभ्यास सिखाए जाने चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)
उत्तर: हाथ धोना, शुद्ध पेयजल, पका भोजन, शौचालय उपयोग, कच्चा भोजन न खाएँ
व्याख्या: BSDMA के स्वास्थ्य-स्वच्छता मॉड्यूल और "हेपेटाइटिस दिवस" के संदर्भ में — हेपेटाइटिस A और E "मल-मुख मार्ग" (Fecal-Oral Route) से फैलते हैं, अर्थात् दूषित जल और भोजन से। विद्यालयों में बच्चों को निम्न अभ्यास अनिवार्यतः सिखाए जाने चाहिए: (1) हाथ धोना: खाने से पहले और शौचालय के बाद कम से कम 20 सेकंड साबुन से; (2) शुद्ध पेयजल: केवल उबला हुआ या क्लोरीनीकृत जल पिएँ — बाढ़ के दौरान विशेष सावधानी; (3) पका भोजन: कच्ची सब्जियाँ, अनपचा माँस न खाएँ; (4) शौचालय उपयोग: खुले में शौच से हेपेटाइटिस फैलता है — "स्वच्छ भारत मिशन" से जोड़ें; (5) मिड-डे मील स्वच्छता: रसोइया प्रशिक्षण। हेपेटाइटिस B वैक्सीन बच्चों के "सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम" में सम्मिलित है।
संदर्भ: BSDMA Health Hygiene Module; bsdma.org; WHO Hepatitis Prevention Guidelines;

प्र.12. एक त्रिभुज की तीनों भुजाएँ 3:4:5 के अनुपात में हैं और उसका परिमाप 36 सेमी है। क्या यह एक समकोण त्रिभुज है? तीनों भुजाओं की माप और क्षेत्रफल ज्ञात करें। (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)
उत्तर: हाँ, समकोण त्रिभुज; भुजाएँ — 9, 12, 15 सेमी; क्षेत्रफल = 54 वर्ग सेमी
व्याख्या: माना भुजाएँ 3k, 4k, 5k। परिमाप = 3k+4k+5k = 12k = 36 → k = 3। भुजाएँ: 3×3=9 सेमी, 4×3=12 सेमी, 5×3=15 सेमी। समकोण परीक्षण (पाइथागोरस): $9^2+12^2=81+144=225=15^2$ ✓ — अतः यह समकोण त्रिभुज है। क्षेत्रफल = ½ × आधार × ऊँचाई = ½ × 9 × 12 = 54 वर्ग सेमी। 3:4:5 एक "पाइथागोरस त्रिक" (Pythagorean Triple) है — प्रत्येक परीक्षा में इस त्रिक पर आधारित प्रश्न प्रायः पूछे जाते हैं। यह BPSC, SSC, Railway Maths में अत्यंत महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: NCERT Mathematics Class 7, Ch 6 The Triangle and its Properties, p. 121–125;

GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

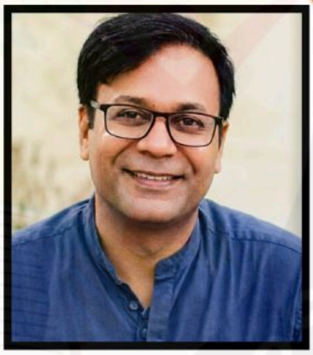

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Noxious (नॉक्सियस) = Harmful (हार्मफुल) = हानिकारक / विषैला
Antonym – Harmless (हार्मलेस) = अहानिकर
Obviate (ऑब्वीएट) = Prevent (प्रिवेन्ट) = आवश्यकता को समाप्त करना / टाल देना
Antonym – Necessitate (नेससिटेट) = आवश्यक बना देना
Pragmatic (प्रैग्मैटिक) = Practical (प्रैक्टिकल) = व्यावहारिक
Antonym – Idealistic (आइडियलिस्टिक) = आदर्शवादी
Quintessential (क्विन्टेसेन्शल) = Typical (टिपिकल) = किसी गुण का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण / विशिष्ट
Antonym – Atypical (एटिपिकल) = असामान्य
Reconcile (रेकन्साइल) = Harmonize (हार्मोनाइज़) = मेल-मिलाप कराना / सामंजस्य स्थापित करना
Antonym – Alienate (एलियनेट) = दूर करना / अलग-थलग करना

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Union Cabinet Approves ₹18,000 Crore National Semiconductor Fab Expansion in Dholera; Targets 2nm Chip Design by 2029.हिन्दी अनुवाद: केंद्रीय मंत्रिमंडल ने धोलेरा में ₹18,000 करोड़ के राष्ट्रीय सेमीकंडक्टर फैब विस्तार को दी मंजूरी; 2029 तक 2nm चिप डिजाइनिंग का लक्ष्य तय। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में देश को वैश्विक सेमीकंडक्टर हब बनाने के लिए नए वित्तीय प्रोत्साहन पैकेज को मंजूरी दी गई। इससे इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और एआई हार्डवेयर निर्माण क्षेत्र में 50,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उच्च-तकनीकी रोजगार सृजित होंगे।

Union Cabinet Approves ₹18,000 Crore National Semiconductor Fab Expansion in Dholera; Targets 2nm Chip Design by 2029.हिन्दी अनुवाद: केंद्रीय मंत्रिमंडल ने धोलेरा में ₹18,000 करोड़ के राष्ट्रीय सेमीकंडक्टर फैब विस्तार को दी मंजूरी; 2029 तक 2nm चिप डिजाइनिंग का लक्ष्य तय। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में देश को वैश्विक सेमीकंडक्टर हब बनाने के लिए नए वित्तीय प्रोत्साहन पैकेज को मंजूरी दी गई। इससे इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और एआई हार्डवेयर निर्माण क्षेत्र में 50,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उच्च-तकनीकी रोजगार सृजित होंगे।

Supreme Court Mandates Universal Accessibility Audits for All Digital Public Infrastructure Platforms.हिन्दी अनुवाद: सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला: देश के सभी डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा (DPI) प्लेटफॉर्म्स का सार्वभौमिक सुगमता ऑडिट (Accessibility Audit) अनिवार्य। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि दिव्यांग नागरिकों के लिए सुलभता सुनिश्चित करने हेतु सभी डिजिटल भुगतान ऐप, ई-गवर्नेंस पोर्टल और सार्वजनिक सेवाओं की वेबसाइट्स को अगले 6 महीनों के भीतर नए 'एक्सेसिबिलिटी स्टैंडर्ड्स 2026' के अनुरूप अपग्रेड करना होगा।

INTERNATIONAL NEWS

UN Climate Council Passes 'Global Urban Micro-Climate Mandate'; Calls for 30% Green Cover Threshold in Metro Cities.हिन्दी अनुवाद: संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिषद ने 'ग्लोबल अर्बन माइक्रो-क्लाइमेट मैंडेट' पारित किया; महानगरों में कम से कम 30% हरित आवरण (Green Cover) का मानक तय। 28 जुलाई को जिनेवा में संपन्न हुए संयुक्त राष्ट्र के विशेष जलवायु सत्र में वैश्विक तापमान वृद्धि और शहरों में 'हीट आइलैंड' प्रभाव को कम करने के लिए दुनिया के 120 से अधिक देशों ने शहरी क्षेत्रों में अनिवार्य वर्टिकल गार्डन, अर्बन फॉरेस्ट और रूफटॉप सोलर प्रोजेक्ट्स लागू करने पर सहमति जताई।

BBC News: Scientists Synthesize World's First Self-Cleaning Bio-Polymer to Eliminate Single-Use Packaging Waste.हिन्दी अनुवाद: बीबीसी न्यूज़: वैज्ञानिकों ने दुनिया का पहला 'स्व-सफाई बायो-पॉलिमर' विकसित किया; पैकेजिंग कचरे की समस्या होगी स्थायी रूप से समाप्त। शोधकर्ताओं ने प्राकृतिक एंजाइमों से निर्मित एक नया जैव-संश्लेषित पदार्थ तैयार किया है जो भोजन और तरल पदार्थों के संपर्क के बाद हवा और सूरज की रोशनी में मात्र 48 घंटे के भीतर पानी और कार्बनिक यौगिकों में विघटित हो जाता है।

WHO Releases 'Global Mental Health & Technology Guidelines 2026'; Advocates Strict Digital Hygiene in Educational Institutions.हिन्दी अनुवाद: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने 'वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य व प्रौद्योगिकी दिशानिर्देश 2026' जारी किए; शिक्षण संस्थानों में कड़े डिजिटल हाइजीन नियमों की सिफारिश। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने छात्रों और युवाओं में अत्यधिक स्क्रीन-टाइम और एआई-टूल निर्भरता से होने वाली संज्ञानात्मक थकान (Cognitive Fatigue) को रोकने के लिए स्कूलों में डिजिटल-मुक्त सत्र और स्क्रीन-टाइम ब्रेक अनिवार्य करने की सलाह दी है।

BIHAR NEWS

Bihar Flood Update: Bagmati and Burhi Gandak Recede Slightly in Muzaffarpur; Relief Operations Accelerated by SDRF & NDRF Teams.हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़ अपडेट: मुजफ्फरपुर और समस्तीपुर में बागमती व बूढ़ी गंडक के जलस्तर में मामूली गिरावट; SDRF और NDRF टीमों द्वारा राहत कार्य तेज। नेपाल के तराई क्षेत्रों में बारिश की गति धीमी होने से नदियों के जलस्तर में आंशिक सुधार दर्ज किया गया है। हालांकि, निचले इलाकों में जलजमाव की स्थिति बनी हुई है। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग ने प्रभावित जिलों में 200 से अधिक सामुदायिक रसोई और नाव-राहत शिविर चालू रखे हैं। जल संसाधन मंत्री ने तटबंधों पर चौबीसों घंटे गश्त बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

SCERT Bihar Launches 'Kriti-Shiksha 2026' to Integrate Traditional Crafts and Local Heritage into Vocational School Modules.हिन्दी अनुवाद: एससीईआरटी बिहार ने 'कृति-शिक्षा 2026' पहल शुरू की; ग्रामीण माध्यमिक विद्यालयों के व्यावसायिक पाठ्यक्रम में स्थानीय हस्तशिल्प और कलाकृतियों का समावेश। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (SCERT) ने कक्षा 9वीं से 12वीं के छात्रों के लिए पारंपरिक मंजूषा, टिकुली कला और हैंडलूम क्राफ्ट्स को व्यावहारिक कौशल विकास विषय के रूप में शामिल करने की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य छात्रों में उद्यमिता और राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

SPORTS NEWS

Indian Grandmaster Erigaisi Arjun Wins the 'Biel Chess Festival 2026' Grandmaster Tournament Title.हिन्दी अनुवाद: भारतीय ग्रैंडमास्टर एरीगैसी अर्जुन ने 'बील चेस फेस्टिवल 2026' ग्रैंडमास्टर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। 28 जुलाई को स्विट्जरलैंड के बील में खेले गए अंतिम दौर के क्लासिकल मुकाबले में अर्जुन ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। इस जीत के साथ वे फिडे (FIDE) लाइव रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ शीर्ष-5 खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं।

World Athletics Trials 'AI-Gait Trackers' for High-Jump and Pole-Vault Events Ahead of World Championships.हिन्दी अनुवाद: विश्व एथलेटिक्स ने आगामी विश्व चैंपियनशिप के लिए हाई-जंप और पोल-वॉल्ट स्पर्धाओं में 'एआई-गेट्स ट्रैकर्स' तकनीक का परीक्षण शुरू किया। तकनीक के इस नए उपयोग से एथलीटों के टेक-ऑफ, एप्रोच रन और हवा में शरीर के कोणों का 3D रीयल-टाइम विश्लेषण संभव होगा। यह तकनीक फाउल निर्णयों में निष्पक्षता लाने के साथ-साथ कोचों को एथलीटों की तकनीक में सुधार करने का सटीक डेटा प्रदान करेगी।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"खबरें केवल वर्तमान का दर्पण नहीं होतीं, बल्कि वे भविष्य के अवसरों और चुनौतियों को समझने की दृष्टि प्रदान करती हैं। निरंतर पढ़ते रहें और जागरूक रहें।"

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

" जंगल का असली राजा"

(29 जुलाई - अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस विशेष)

विद्यालय के बच्चों का दल शैक्षणिक भ्रमण पर बिहार के प्रसिद्ध वाल्मीकि टाइगर रिज़र्व (वीटीआर) पहुँचा। वहाँ वन रक्षक बच्चों को जंगल, बाघों और वन्यजीवों के संरक्षण के बारे में रोचक जानकारी दे रहे थे।

तभी रोहन ने पूछा, "सर, लोग कहते हैं कि बाघ जंगल का राजा है। लेकिन वह तो किसी सिंहासन पर नहीं बैठता, फिर राजा कैसे हुआ?"

वन रक्षक मुस्कुराए। उन्होंने बच्चों को कुछ दूर ले जाकर एक सूखी नदी, हरे-भरे पेड़ और कई जानवर दिखाए। फिर बोले, "बाघ अपनी ताकत से नहीं, बल्कि अपने महत्व से जंगल का राजा कहलाता है।"

बच्चे ध्यान से सुनने लगे।

उन्होंने समझाया, "जहाँ बाघ सुरक्षित रहता है, वहाँ पूरा जंगल सुरक्षित रहता है। जंगल सुरक्षित रहेगा तो पेड़ बचेंगे। पेड़ बचेंगे तो वर्षा होगी। वर्षा होगी तो नदियाँ बहेंगी, खेत हरे होंगे और हमारा जीवन भी सुरक्षित रहेगा। इसलिए बाघ केवल एक जानवर नहीं, बल्कि प्रकृति के संतुलन का प्रहरी है।"

संकल्प ने उत्सुकता से पूछा, "तो क्या बाघ की रक्षा करना, हमारी अपनी रक्षा करना है?"

"बिल्कुल," वन रक्षक ने उत्तर दिया। "प्रकृति की हर कड़ी एक-दूसरे से जुड़ी है। यदि एक कड़ी टूटती है, तो उसका असर पूरे जीवन पर पड़ता है।"

वापस लौटते समय बच्चों ने देखा कि कुछ लोग जंगल में प्लास्टिक फेंक रहे थे। सभी बच्चों ने विनम्रता से उन्हें रोका, कचरा उठाया और निर्धारित डिब्बे में डाला।

विद्यालय पहुँचकर उन्होंने 'एक छात्र–एक पौधा' अभियान शुरू किया और अपने मित्रों को भी वन्यजीवों एवं जंगलों की रक्षा का संदेश दिया।

कुछ महीनों बाद विद्यालय हरियाली से भर गया। मैडम ने मुस्कुराकर कहा, "आज तुमने केवल पौधे नहीं लगाए, बल्कि प्रकृति के भविष्य की रक्षा का बीज बोया है।"

उस दिन बच्चों को समझ आ गया कि सच्चा राजा वह नहीं होता जो शासन करे, बल्कि वह होता है जिसकी रक्षा से सबका जीवन सुरक्षित रहे।

शिक्षा: प्रकृति की रक्षा करना ही मानवता की रक्षा करना है। जब जंगल बचेंगे, तभी बाघ बचेंगे; और जब बाघ बचेंगे, तभी हमारा भविष्य भी सुरक्षित रहेगा। 🌿🐅

................✍️

मनोज कुमार

प्रधानाध्यापक

रा.म.वि.वाल्मीकिनगर

बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

'समापन अंक'

एक 'सतत शिक्षार्थी' के रूप में शिक्षक — संवर्धन की यह यात्रा कभी थमती नहीं

शिक्षक साथियों, महान दार्शनिक और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने एक बार कहा था— "एक सच्चा शिक्षक वह नहीं है जो केवल ज्ञान उड़ेलता है, बल्कि वह है जो जीवन भर स्वयं एक विद्यार्थी बना रहता है।" जब कोई शिक्षक यह मान लेता है कि उसने सब कुछ सीख लिया है, उसी क्षण उसकी व्यावसायिक वृद्धि रुक जाती है। लेकिन जब हम हर नई सुबह इस भाव के साथ कक्षा में प्रवेश करते हैं कि "आज मुझे अपने बच्चों से, अपने परिवेश से और नए अनुभवों से कुछ नया सीखना है," तो हमारा शिक्षण कभी पुराना या उबाऊ नहीं होता।

'सतत शिक्षार्थी' (Continuous Learner) बनने का अर्थ किसी नई डिग्री को हासिल करना भर नहीं है। इसका अर्थ है — अपने भीतर जिज्ञासा, खुलापन (Openness) और बदलाव को स्वीकार करने का साहस बनाए रखना। समय बदल रहा है, हमारी कक्षाओं में आने वाले बच्चे नई सोच और नई चुनौतियों के साथ आ रहे हैं। यदि हमारी शिक्षण विधियाँ 20 साल पुरानी ही रहेंगी, तो हम 21वीं सदी के बच्चों का सही मार्गदर्शन कैसे कर पाएंगे?

संवर्धित शिक्षक की जीवन यात्रा के 5 जीवन-मंत्र

इस "शिक्षक संवर्धन" श्रृंखला के निचोड़ के रूप में, आइए इन पाँच मूल सिद्धांतों को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं:

1. बाल-केंद्रित सोच (Child-Centric Focus)

पहला मंत्र- हमेशा याद रखें कि स्कूल की हर व्यवस्था—इमारत, टाइम-टेबल, टीएलएम और परीक्षा—केवल और केवल बच्चे के सर्वांगीण विकास के लिए है। बच्चा ही हमारी हर रणनीति के केंद्र में है।

2. डर-मुक्त और आनंदमयी कक्षा

दूसरा मंत्र- सच्चा सीखना केवल वहीं संभव है जहाँ बच्चा बिना किसी हिचकिचाहट के सवाल पूछ सके, गलतियाँ कर सके और मुस्कुराते हुए सीख सके।

3. सहानुभूति और समावेशन (Empathy & Inclusion)

तीसरा मंत्र- कक्षा के अंतिम छोर पर बैठे, सबसे शांत या विशेष आवश्यकता वाले बच्चे को मुख्यधारा में लाना ही हमारी वास्तविक सफलता है।

4. प्रतिदिन स्व-आकलन और नवाचार

चौथा मंत्र- हर दिन अपनी शिक्षक डायरी के माध्यम से खुद से संवाद करें। जो तरीका आज काम न आया, उसे कल बदलकर एक नया रास्ता खोजें।

5. सामुदायिक जुड़ाव और सम्मान

पांचवां मंत्र- अभिभावकों और समुदाय को अपना सहयोगी बनाएं। जब समाज और स्कूल एक साथ खड़े होते हैं, तो शिक्षा की हर बाधा दूर हो जाती है।

उदाहरण:

आइए दो शिक्षकों की जीवनशैली की तुलना से इसे समझें:

- प्रकार A (स्थिर शिक्षक): वे सालों से वही एक डायरी, वही पुरानी पढ़ाने की शैली और वही घिसे-पिटे उदाहरण इस्तेमाल कर रहे हैं। वे हर नए नियम या बदलाव (जैसे- NEP 2020 या डिजिटल टूल) का विरोध करते हैं और शिक्षा को केवल एक 'नौकरी' मानते हैं।
- प्रकार B (संवर्धित/सतत शिक्षार्थी शिक्षक): वे अपनी हर विफलता से सीखते हैं। जब कक्षा में कोई बच्चा पिछड़ता है, तो वे शिकायत करने के बजाय नया टीएलएम बनाते हैं या किसी साथी शिक्षक से सलाह लेते हैं। वे समय के साथ नई तकनीक सीखते हैं। उनके लिए पढ़ाना केवल एक पेशा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की एक आध्यात्मिक साधना है।

शिक्षक साथियों, "शिक्षक संवर्धन" प्रथम चरण के अंकों की श्रृंखला यहाँ समाप्त हो रही है, लेकिन एक शिक्षक के रूप में हमारे संवर्धन की यात्रा कभी समाप्त नहीं होगी। आज हमारे सरकारी प्राथमिक विद्यालयों को ऐसे ही संवेदनशील, निष्ठावान और नवाचारी शिक्षकों की आवश्यकता है जो हर बच्चे की आँख में छुपे सपने को पहचान सकें और उसे सच करने का हौसला दे सकें।

आप सभी का इस पूरी श्रृंखला में साथ बने रहने और अपनी कक्षाओं को समृद्ध बनाने के इस संकल्प के लिए सहृदय धन्यवाद। आइए, मिलकर अपने विद्यालयों को ज्ञान, करुणा और आनंद का एक ऐसा केंद्र बनाएं जहाँ का हर बच्चा गर्व से कह सके— "यह मेरा प्यारा स्कूल है!"

.................✍️

मनोज कुमार झा

प्रधानाध्यापक

राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय

बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

संडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है।

एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01 सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, बौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

---

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 — बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों मे बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगिण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयो मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> कुंदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार दर्शन : लखीसराय, अंक-1"

'संपादकीय'✍️

लखीसराय: किउल-हरोहर का संगम, टाल क्षेत्र का भूगोल और बिहार का सामरिक गलियारा

भौगोलिक, प्रशासनिक और रणनीतिक दृष्टिकोण से लखीसराय केवल एक ज़िला नहीं, बल्कि दक्षिण बिहार की नदियों का मुख्य निकास द्वार और पूर्व-मध्य रेलवे का एक अत्यंत व्यस्त सामरिक जंक्शन है। वर्ष 1994 में मुंगेर से अलग होकर स्वतंत्र अस्तित्व में आया यह ज़िला मुंगेर प्रमंडल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसकी भौगोलिक सीमाएं उत्तर में बेगूसराय, पूर्व में मुंगेर, दक्षिण में जमुई तथा पश्चिम में शेखपुरा, पटना और नालंदा ज़िलों को स्पर्श करती हैं। यह केंद्रीय भौगोलिक अवस्थिति लखीसराय को मगध, अंग और मिथिलांचल क्षेत्रों के बीच एक अपरिहार्य भौगोलिक और व्यापारिक सेतु बनाती है।

इस ज़िले के संपूर्ण भूगोल की सबसे बड़ी विशेषता किउल, हरोहर, गंगा और सकरी जैसी नदियों का जलीय प्रवाह तंत्र है। ज़िले के दक्षिणी भाग से आने वाली किउल नदी लखीसराय शहर के पास से होकर बहती है, जबकि पश्चिम से आने वाली हरोहर नदी ज़िले के उत्तरी हिस्से में विस्तृत 'टाल' क्षेत्र का निर्माण करती हुई किउल में मिलती है। भू-वैज्ञानिक दृष्टिकोण से लखीसराय का भूगोल दो स्पष्ट भागों में बँटा हुआ है—उत्तरी भाग, जो विश्व प्रसिद्ध 'बड़हिया टाल' (Tal Region) का हिस्सा है और अत्यधिक उपजाऊ जलोढ़ मिट्टी से निर्मित है, तथा दक्षिणी भाग, जो जमुई और मुंगेर की पहाड़ियों से सटा पथरीला व कछारी क्षेत्र है।

इस मैदानी और टाल भूगोल की सबसे अनूठी पहचान यहाँ का विस्तृत 'टाल पारिस्थितिकी तंत्र' (Tal Ecosystem) है। मानसून के महीनों में दक्षिण बिहार की नदियाँ (फल्गु, सकरी, हरोहर) अपना जल टाल के विशाल प्राकृतिक अवसाद (Depression) में उड़ेल देती हैं, जिससे यह क्षेत्र कई महीनों तक एक विशाल जलमग्न झील का रूप ले लेता है। अक्टूबर-नवंबर में जब टाल का पानी उतरता है, तो पीछे छूट जाने वाली समृद्ध गाद (Silt) बिना किसी अत्यधिक रासायनिक इनपुट के रबी की फसलों—विशेष रूप से चना, मसूर, खेसारी और सरसों के बंपर उत्पादन के लिए धरती को तैयार कर देती है। यही कारण है कि लखीसराय का यह टाल क्षेत्र बिहार का 'दलहन का कटोरा' कहलाता है।

यहाँ की जलवायु उप-उष्णकटिबंधीय मानसूनी है। टाल क्षेत्र के विशाल जल-भराव के कारण सर्दियों में यहाँ की हवा में एक विशिष्ट आर्द्रता पाई जाती है, जो दलहनी फसलों की बालियों के लिए अत्यंत लाभकारी होती है। इस विविध भूगोल के कारण लखीसराय की आर्थिकी मुख्य रूप से दलहन उत्पादन और किउल नदी से होने वाले उत्तम गुणवत्ता के बालू खनन (Sand Mining) पर टिकी हुई है। परंतु, इस प्राकृतिक समृद्धि के साथ लखीसराय को मानसून के दौरान टाल क्षेत्र में लंबे समय तक रहने वाले जल-जमाव (Water-logging) और किउल नदी के तटीय इलाकों में भूमि कटाव जैसी गंभीर भौगोलिक चुनौतियों से हर साल निपटना पड़ता है।

किउल-हरोहर के इस संगम, बड़हिया टाल की दलहनी खुशबू और उत्तर-दक्षिण बिहार को जोड़ने वाले इस सामरिक गलियारे का यह प्रामाणिक भौगोलिक विश्लेषण बिहार के टाल-प्रारूप और नदी-घाटी आर्थिकी को समझने के लिए एक अचूक और वैज्ञानिक दृष्टि प्रदान करता है

...........✍️
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

अनुभाग-9

"मेरा विद्यालय मेरी प्रतिष्ठा"
शैलेन्द्र कुमार एवं अभिषेक कुमार

TEACHERS OF BIHAR – THE CHANGE MAKERS

दैनिक जागरण

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानि

डीएम से सम्मान प्राप्त करते शिक्षक • सौ. स्वयं

संवाद सूत्र, जागरण • बगहा : विभाग के द्वारा प्रधान शिक्षकों की तैनाती के बाद विद्यालयों का शैक्षणिक माहौल न सिर्फ बेहतर हुआ है बल्कि बच्चों की उपस्थिति भी बढ़ी है। सच्ची कर्तव्यनिष्ठा और दूरगामी सोच की बदौलत कई शिक्षक अपने विद्यालयों का माहौल बदलने में सफल हो रहे। इसी कड़ी में प्रशासनिक स्तर पर बेहतरीन कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया जा रहा ताकि दूसरे इससे प्रेरणा ले और बेहतर करने के लिए प्रेरित हों। शनिवार को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान और समर्पित सेवा के लिए बगहा दो प्रखंड के दो शिक्षकों क्रमशः शैलेन्द्र कुमार और अभिषेक कुमार को रमना स्थित हाडिटोरियम हाल में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में ज़िला पदाधिकारी तरनजोत सिंह ने सम्मानित किया। यह सम्मान समारोह जिले के उत्कृष्ट कर्मियों के उत्साहवर्धन के लिए आयोजित किया गया था। जिलाधिकारी ने सभी चयनित कर्मियों प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। जिले में शिक्षा के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए इन दोनों शिक्षकों का चयन पूरे जिले की समीक्षा के बाद किया गया। सम्मानित होने वाले शिक्षक शैलेन्द्र कुमार, राजकीय प्राथमिक विद्यालय, बोदसर तथा अभिषेक कुमार। राजकीय प्राथमिक विद्यालय, करमाहा थारू टोला बगहा दो के प्रधान शिक्षक हैं। सम्मानित शिक्षकों ने कहा कि इस प्रशस्ति-पत्र ने यह साबित कर दिया है कि निष्ठा, कड़ी मेहनत और शिक्षा के प्रति समर्पण कभी बेकार नहीं जाता। दोनों प्रधान शिक्षकों ने अपने नवाचारी विचारों और उत्कृष्ट कार्यशैली से न केवल अपने विद्यालयों की तस्वीर बदली, बल्कि पूरे बगहा दो प्रखंड का मान पूरे जिले में बढ़ाया। इस दोहरी सफलता पर शिक्षा जगत में खुशी लहर दौड़ गई है। स्थानीय शि... ग्रामीणों और शिक्षा विभाग अधिकारियों ने दोनों सम्म... शिक्षकों को बधाई दी।

प्रशस्ति पत्र दिखाते शिक्षक • सौ. स्वयं

हिन्दुस्तान

बेहतर काम के लिए डीएम ने दो शिक्षकों को किया सम्मानित

सोमवार को कार्यक्रम के दौरान शिक्षक को सम्मानित करते डीएम।

बगहा, हमारे संवाददाता। जब लगन सच्ची हो और कुछ नया करने का इरादा हो तो मार्ग खुद ब खुद ही मिल जाता है। कुछ इसी प्रकार का मामला बगहा दो प्रखड के दो शिक्षकों का है। पिछले दिनों हुए समारोह कार्यक्रम के दौरान डीएम ने जिले के 18 प्रखंडो के सैकड़ों शिक्षकों के बीच से बगहा दो के दो शिक्षकों को बेहतर करने के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम रमना स्थित ऑडिटोरियम हॉल में हुआ था। इसमें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों को सम्मानित किया गया। इस समारोह में पूरे जिले से शिक्षा के क्षेत्र में बगहा-2 के दो प्रधान शिक्षकों का चयन किया गयस था इसमें पीएम बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार व पीएस करमाहा थारु टोला के प्रधान शिक्षक अभिषेक कुमार शामिल थे। सोमवार को शिक्षको ने बताया कि सुदूर ग्रामीण व थारू बाहुल्य क्षेत्रों के विद्यालयों में पठन-पाठन का माहौल बदलकर, बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़ने और प्रशासनिक स्तर पर मिसाल कायम करने के लिए उन्हें यह 'प्रशस्ति-पत्र' प्रदान किया गया है।

18 प्रखंडों के शिक्षकों में किया गया चयन

दैनिक भास्कर – बेतिया भास्कर 27-07-20

जिले के सम्मान मंच पर चमका बगहा-2, शिक्षक सम्मानित

भास्कर न्यूज | बगहा

शैलेन्द्र कुमार

अभिषेक कुमा

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नवाचार की दिशा में बगहा-2 प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में किए जा रहे सकारात्मक प्रयासों को जिला स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। बेतिया के रमना ऑडिटोरियम में शनिवार को आयोजित सम्मान समारोह के लिए शिक्षा विभाग की ओर से पूरे पश्चिम चंपारण जिले में केवल बगहा-2 के ही दो प्रधान शिक्षकों का चयन हुआ। जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय, बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेंद्र कुमार तथा राजकीय प्राथमिक विद्यालय, करमाहा थारू टोला के प्रधान शिक्षक अभिषेक कुमार को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। दोनों शिक्षकों को विद्यालयों में नवाचार आधारित शिक्षण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बच्चों की नियमित उपस्थिति बढ़ाने त... बेहतर शैक्षणिक वातावर... विकसित करने के लिए ... सम्मान मिला। डीएम एवं विभ... ने इनके कार्यों को अ... विद्यालयों के लिए अनुकरणी... बताया। पूरे जिले से शिक्षा विभ... में सिर्फ दो प्रधान शिक्षकों ... सम्मानित होना बगहा-2 के लि... विशेष उपलब्धि माना जा रहा ... इससे यह संदेश भी गया है ... सीमित संसाधनों के बावजू... सरकारी विद्यालयों में बेहतर क... करने वाले शिक्षकों की पहच... और सराहना हो रही है।

बिहार सरकार

समाहरणालय, पश्चिम चम्पारण, बेतिया

प्रशस्ति - पत्र

श्रीमती/सुश्री/श्री शैलेन्द्र कुमार

पदनाम प्रधानाध्यापक विभाग/शाखा रा० प्रा० वि० बोदसर बगहा-2

को प्रशंसनीय कार्य करने के लिए यह प्रशस्ति - पत्र प्रदान किया जाता है।

जिला प्रशासन, पश्चिम चम्पारण, बेतिया आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

तरनजोत सिंह, भा. प्र. से.
जिला पदाधिकारी
पश्चिम चम्पारण, बेतिया

बिहार सरकार

समाहरणालय, पश्चिम चम्पारण, बेतिया

प्रशस्ति - पत्र

श्रीमती/सुश्री/श्री अभिषेक कुमार

पदनाम प्रधानाध्यापक विभाग/शाखा रा० प्रा० वि० करमाहा थारू टोला बगहा-2

को प्रशंसनीय कार्य करने के लिए यह प्रशस्ति - पत्र प्रदान किया जाता है।

जिला प्रशासन, पश्चिम चम्पारण, बेतिया आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

तरनजोत सिंह, भा. प्र. से.
जिला पदाधिकारी
पश्चिम चम्पारण, बेतिया

CHAMPARAN GYAN

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

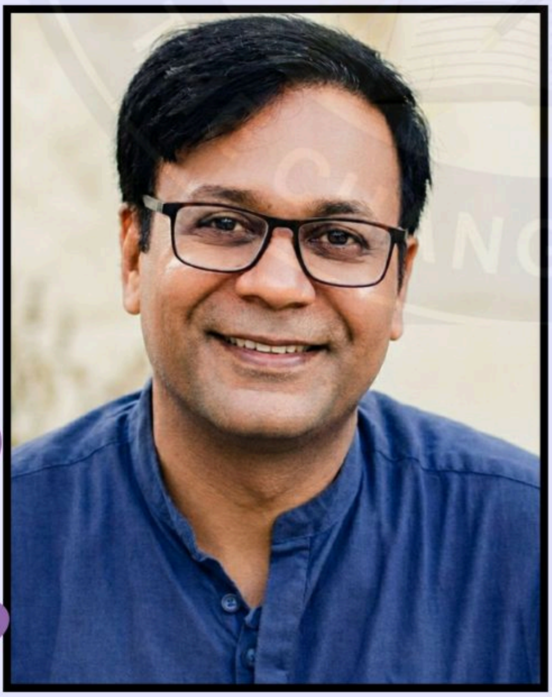

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org